This question paper contains 2 printed pages.]

7768 *आपका अनुक्रमांक .....*

M.A. (एम.ए.) / II **A**

HINDI (हिन्दी)

Group D – Katha Sahitya

वर्ग (घ) – कथा साहित्य

Paper 15 – Hindi Kahani Ke Pratiman

प्रश्न-पत्र 15 – हिन्दी कहानी के प्रतिमान

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 50*

(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

नोट : *प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक एम.ए. हिन्दी परीक्षा के वर्ग 'ब' (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग एवं नॉन-फॉर्मल सैल आदि) के परीक्षार्थियों के लिए मान्य है। वर्ग 'अ' (नियमित पूर्व विद्यार्थियों) के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जाएगा।*

1. आरम्भिक हिन्दी कहानियों में मध्यवर्ग की स्थिति पर विचार कीजिए।

अथवा 12

प्रेमचंद और जयशंकर प्रसाद की कहानियों का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।

2. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी में आधुनिकता बोध का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा 12

मनोविश्लेषणात्मक हिन्दी कहानी की चरित्र-संरचना पर विचार कीजिए।

3. 'प्रेमचन्द युगीन कहानी में आदर्श और यथार्थ का सम्मिश्रण है।' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा 12

कहानी के विकास में विभिन्न कथा-आन्दोलनों की भूमिका पर विचार कीजिए।

4. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) नयी कहानी की भाषा;

(ख) हिन्दी की आरम्भिक कहानियाँ;

(ग) कहानीकार निर्मल वर्मा;

(घ) सचेतन कहानी की सचेतन दृष्टि। 7, 7